अपने बच्चे की मदद करना

एक विद्यार्थी की मात्र भाषा जितनी अच्छी तरह विक्सित होती है उतनी ही अच्छी तरह वह दूसरी भाषा सीखने में कामजाब होता / होती है, ऐसा मानने के लिए काफी शोध कार्य उपलब्ध हैं।

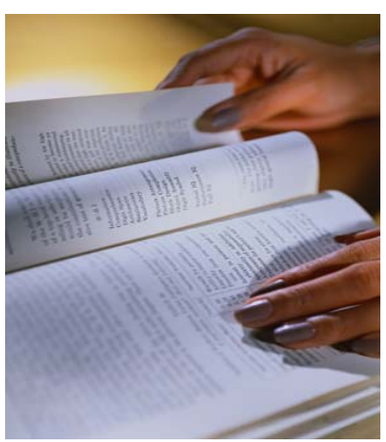

आप के बच्चे में तनाव के लक्षण

एक नए स्कूल में एक नई भाषा सीखना विद्यारथीयों के लिए तनावपूर्ण हो सकता है।आप अपने बच्चे के व्यवहार में निम्नलिखित बदलाव देख सकते हैं:

- शुरु के महीनों में जो उतसाह और उत्तेजना थी वह निराशा और गुस्से में बदल जाती है।
- घर और स्कूल, दोनों जगह पर व्यवहार में बदलाव।
- हमेशा अस्वस्थ रहना या स्कूल न जाने की इच्छा जाहिर करना।
- अंग्रेजी में न बोलना या बहुत कम बोलना।
- अपनी भाषा और संस्कृती को न मानना या अस्वीकार करना।
- दोस्तों के साथ समय बिताना, परिवार के साथ समय बिताने से अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है।

ऐसे व्यवहार और द्रिष्टीकोण या मनोभाव काफी आम हैं। यदि आप अपने बच्चे के लिए चिंतित हैं तो आप कलास के अध्यापक या स्कूल के (ESL/ELL) भाषा सिखाने वाले अध्यापक से बात करें। आप मल्टीकलचरल वरकर, जो कि आप की भाषा बोलता हो, से भी मदद ले सकते हैं।

VSB

“Ways you can Support your Child ’s Learning at Home”

[Hindi]

यह ब्रोशर वैनकूवर स्कूल बोर्ड के सैटलमेंट वर्कर्ज़ (VSB SWIS) द्वारा प्रायोजित किये गए कई ब्रोशरों में एक है। इसकी रचना कुछ ई.एस.एल. (ESL/ELL) शिक्षकों तथा वैनकूवर स्कूल बोर्ड के मल्टीकल्चरल लिएजों वर्कर्ज़ (VSB MCLW) ने की है।

Canada | British Columbia | WelcomeBC

यह ब्रोशर कनाडा और ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत की सरकार से धन के माध्यम से संभव बनाया गया है।

घर में आपके बच्चे को सीखने में मदद कर सकने के तरीके

अपने बच्चे की सहायता करने के तरीके

एक नई भाषा सीखना एक लंबा और जटिल प्रक्रिया है। एक नए देश में एक भिन्न स्कूल व्यवस्था में स्कूल के अनुकूल बनना कभी भी आसान नहीं होता। बहुत सारे बच्चे स्कुली-जीवन को चनौती ही नहीं, मुशकिल भी मानते हैं। आप के बच्चे को आप की समझ और समर्थन की आवशयकता है।

घर में आपके बच्चे को सीखने में आप कैसे मदद कर सकते हैं:

१.घर में पढने और होमवर्क करने के लिए एकांत में जगह बनाएं और एक नियमित समय रखें। यदि आप का घर व्यस्त और शोर वाला है तो लाइब्रेरी में विद्यारथीयों के पढने और लिखने की जगह होती है।

२. स्कूल की दिनचर्या के बारे में बच्चे के साथ बात करें और उसे स्कूल में किए सारे कामों को दिखाने के लिए कहें (जैसे कि चित्र कला, पत्रिकाएं और टैस्ट आदि)।

३. छोटे बच्चों को सैर करने के लिए ले जाओ और आस-पास जो आप देखते हो उस के बारे में बात करें। इस से छोटे बच्चों को अपने पड़ोस के बारे जानकारी मिलती है और बड़े बच्चे को पढने लिए शाँत समय मिल जाएगा।

४. अपने बच्चे को स्कूल और टीचर से प्रापत सभी नोटस, पत्र,और बुलेटिन के लिए पूछें। यदि आप इन्हें पढ नहीं सकते तो आप मल्टीकल्चरल वर्कर को इस का अनुवाद करने को कहें।

५. जून में, स्कूल अगले साल का कलैंडर दे देते हैं। यह आप को स्कूल की महत्वपूर्ण तिथियों की जानकारी देता है।

६. प्रतिदिन अपनी भाषा का प्रयोग करें। उदाहरण के लिए, रात के खाने पर एक दूसरे से बात करें, अपने बच्चे को कहानी पढने या सुनाने के लिए अपनी भाषा का प्रयोग करें।

७. अपने बच्चे को सकूल मे पढे जाने वाले नए विषयों के बारे में जानकारी अपनी भाषा में इकट्ठी करने में मदद करें। इकट्ठे किताबें पढें, मिल कर विडियो देखें और भिन्न भिन्न विषयों पर चर्चा करें। कोशिश करें कि इन विषयों के बारे मे इंटरनैट से अपनी भाषा में जानकारी इकट्ठी कर सकें।

८. यदि आप का बच्चा अस्मन्जस में है और उसे समझ नहीं आ रहा कि अध्यापक क्या चाहता है, आप उस का उत्साह बढाएं कि वह अध्यापक से बात करें।

९. नई भाषा सीखने में काफी ऊर्जा की जरुरत पड़ती है। निशचित करें कि आप का बच्चा पूरी नींद सोंए (बच्चों और युवकों को रात में ८ से १० घंटे नींद अवशय लेनी चाहिए)

१०. अपने बच्चे को एहसास करवाएं कि आप सोचते हैं कि अंग्रेजी सीखना बहुत महत्वपूर्ण है। स्कूल के बाहर अंग्रेजी का प्रयोग करने में अपने बच्चे की मदद करें (जैसे कि कमिउनिटी सैंटर, खेलों के प्रोग्राम, यूथ कल्ब, दोस्तों के साथ समय बिताना आदि)

११. धैर्य रखें। भली भाँति जान लें कि नई भाषा सीखना और एक नई स्कूल प्रणाली में पढना एक लंबी प्रक्रिया है।

बी सी एजूकेशन: सामाजिक, भावनात्मक, बौद्धिक, कलात्मक और शरीरिक विकास के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारीयों को बढावा देती है।